

प्रेस विज्ञप्ति

21 अगस्त, 2025

पीएफसी ने भारत के विद्युत वितरण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए केएफडब्ल्यू के साथ 150 मिलियन यूरो के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी), एक महारत्न सीपीएसई और विद्युत क्षेत्र में भारत की अग्रणी एनबीएफसी, ने 21 अगस्त 2025 को केएफडब्ल्यू के साथ 150 मिलियन यूरो के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केएफडब्ल्यू जर्मनी का सबसे बड़ा प्रमोशनल बैंक है और जर्मनी संघीय गणराज्य की ओर से दुनिया भर में आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थितियों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। ऋण राशि का उपयोग भारत सरकार की पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा, जिसका उद्देश्य देश भर में विद्युत वितरण कंपनियों की परिचालन और वित्तीय दक्षता में सुधार करना है।

यह समझौता भारत और जर्मनी की सरकारों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में कई दशकों से चली आ रही दीर्घकालिक साझेदारी को और आगे बढ़ाता है। पीएफसी और केएफडब्ल्यू ने पहले भी वितरण क्षेत्र में कई परियोजनाओं पर सहयोग किया है, और इस नई सुविधा से द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत होने की उम्मीद है, साथ ही ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने के दोनों देशों के साझा लक्ष्य में योगदान मिलेगा। ऋण समझौते पर पीएफसी की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती परमिंदर चोपड़ा और केएफडब्ल्यू के सीईओ श्री स्टीफन विटेल्स ने जर्मन दूतावास, नई दिल्ली के आर्थिक मामलों के प्रभाग प्रमुख श्री गॉटफ्राइड वॉन जेमिंगन, पीएफसी के निदेशक (वित्त) श्री संदीप कुमार और दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।



ऋण समझौते पर हस्ताक्षर समारोह में पीएफसी की सीएमडी श्रीमती परमिंदर चोपड़ा, केएफडब्ल्यू के सीईओ श्री स्टीफन विटेल्स के साथ।

इस अवसर पर बोलते हुए, पीएफसी की सीएमडी श्रीमती परमिंदर चोपड़ा ने कहा:

“पीएफसी भारत के विद्युत वितरण क्षेत्र में सुधारों के वित्तपोषण और उन्हें सक्षम बनाने में अग्रणी रहा है। यह नई ऋण सहायता देश भर के उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, किफायती और टिकाऊ विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करेगी। हम नए और उभरते क्षेत्रों, विशेष रूप से नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा, में केएफडब्ल्यू के साथ मिलकर काम करने के लिए भी उत्सुक हैं, जिससे भारत के ऊर्जा परिवर्तन को गति मिलेगी।”

अधोहस्ताक्षरी/-

(एस. एस. राव)

मुख्य महाप्रबंधक (जनसंपर्क)